(E)ISSN: 2181-1784
4(22), Sep., 2024
www.oriens.uz

देवियों के व्युत्पत्ति संबंधी विश्लेषण की समस्या पर – सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा"

https://doi.org/10.5281/zenodo.13765699

जियाज़ोवा बेरनोरा मंसूरोवना
प्राच्य भाषा विभाग
विश्व अर्थव्यवस्था और कूटनीति विश्वविद्यालय

यह विश्लेषण, जिस पर इस लेख में विचार किया जाना है, मुख्य रूप से वी.म. बेसक्रोवनी के "हिंदी-रूसी शब्दकोश" और रामचंद्र वर्ममा "मानक हिन्दी कोश" पर आधारित है। साथ ही, "कालिका प्रसाद" द्वारा संपादित "बृहत हिन्दी कोश" से भी बहुत सारी जानकारी प्राप्त हुई थी। इसके अलावा, "संस्कृत-जर्मन शब्दकोश" और "संस्कृत-रूसी शब्दकोश" का भी उपयोग किया गया था।

भारतीय संस्कृति, जो पूरे विश्व में प्रसिद्ध है, अपनी प्राचीनता से प्रतिष्ठित है और सैकड़ों सदियों से अपनी परंपराओं को संरक्षित रखती है। हिंदू धर्म की नींव 12 वीं -10 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थी और यह चार पवित्र वेदों में शामिल है। इस मामले पर सबसे महत्वपूर्ण और सबसे पुराना काम ऋग्वेद[1] है, जिसमें वैदिक युग के हिंदुओं ने अपनी सभी घरेलू समस्याओं के लिए देवताओं की ओर रुख किया। उदाहरण के लिए: इंद्र, सूर्य, सोम, आर्य, मित्र, वायु आदि। उस समय से लेकर आज तक, हिंदुओं के जीवन में देवताओं का बहुत बड़ा स्थान है। प्राचीन परंपराओं के संरक्षण और धार्मिक समारोहों के संचालन के तरीके को उनके नाम से देखा जा सकता है। उदाहरण के लिए: "सप्तपदी" हिंदू विवाह समारोह का केंद्रीय समारोह है। "सप्तपदी" शब्द का अर्थ "सात कदम" है। समारोह के दौरान, ब्राह्मण पुजारी मंत्रों का पाठ करते हैं और दूल्हा और दुल्हन सप्तपदी नामक पवित्र अग्नि के चारों ओर सात बार चक्कर लगाते हैं। उसके बाद ही, दूल्हा और दुल्हन को कानूनी रूप से "पति" और "पत्नी" माना जाता है।[2]

भारतीय देवताओं की तरह देवियों की भी संख्या असंख्य है और हिंदुओं के जीवन में इनका बहुत महत्व है। ये सरस्वती, लक्ष्मी, दुर्गा और अन्य देवियां हैं।

सरस्वती हिन्दू धर्म की प्रमुख वैदिक एवं पौराणिक देवियों में से हैं। अन्य दो लक्ष्मी और दुर्गा देवी हैं। सरस्वती को साहित्य, संगीत, कला की देवी माना जाता है। उसमें विचारणा, भावना एवं संवेदना का त्रिविध समन्वय है। वीणा संगीत की, पुस्तक विचारणा की और हंस वाहन कला की अभिव्यक्ति है।[3]

सूत्रों के अनुसार सरस्वती सोने के रथ पर सवार हैं और घोड़ों के धनी हैं, वहीं वे गायिकाओं की रक्षा करती हैं और काव्य से भी जुड़ी हैं। वह पवित्र वाच या वाक् की देवी हैं।[4]

"ब्राह्मणों" में वाच को वाक् और वाक्पटुता की देवी भी कहा जाता है।[5] महाकाव्य काल तक, "वाच" विज्ञान और वाक्पटुता की देवी सरस्वती के रूप में प्रकट हुआ।[6] स्रोत सरस्वती को ब्रह्मा की पत्नी, संस्कृत और देवनागरी वर्णमाला के आविष्कारक और कला और विज्ञान के संरक्षक के रूप में वर्णित करते हैं। सरस्वती बुद्धि की देवी के साथ-साथ पूर्वी पंजाब से बहने वाली एक नदी के नाम से जुड़ी हुई है।[7] अन्य मामलों

---

[1] Индийская философия: Энциклопедия / Отв. ред. М.Т. Степанянц; Ин-т философии РАН. — М.: Вост. лит.; Академический Проект; Гаудеамус, 2009. – С. 259.
[2] http://www.vivaaha.org/saptapad
[3] https://hi.wikipedia.org
[4] Мифы народов мира. Энциклопедия. (В 2 томах). Гл. ред. С.А.Токарев. М.: 1982. – т. 1. К-Я. – С. 409.
[5] Шоматов О.Н. "Қадимги ҳинд маданиятига оид сўзлар луғати". Т., 2005. С. 83.
[6] Мифологический словарь / Гл.ред. Е.М.Мелетинский. "Советская энциклопедия". М., 1991., С. 672. http://mifolog.ru/mythology
[7] Бонгард-Левин Г.М., Ильин Т.Ф. «Древняя Индия» Исторический очерк. М., 1969. С. 182.

(E)ISSN: 2181-1784
4(22), Sep., 2024
www.oriens.uz

में, मिश्रित राय है कि सरस्वती ब्रह्मा की पत्नी या बेटी कहा जाता है और बाद में वह विष्णु की पत्नी थी। बृहद्धर्मपुराण के अनुसार, सरस्वती शिव के पुत्र को लिखने के लिए एक कलम और रंगीन स्याही ले आई।[8]

हमारे शोध के परिणामों के अनुसार कुछ सूत्रों का कहना है कि देवी सरस्वती के 16 नाम हैं।[9] इनमे से: - प्रथम वह भारती हैं, द्वितीय सरस्वती। शारदा देवी उनका तृतीय नाम है और चतुर्थ हंसगामिनी ।।४।। विदुषी,वागीश्वरी, कुमारी, ब्रह्मचारिणा ये उनके पंचम-पष्ठ-सप्तम और अष्टम नाम हैं ।।५।।नौवाँ नाम जगन्माता, दशवाँ नाम ब्राह्मिणी, ग्याहरवाँ नाम ब्रह्माणी और बारहवाँ नाम वरदा है।।६।। तेरहवाँ नाम वाणी, चौदहवाँ नाम भाषा, पन्द्रहवाँ नाम श्रुतदेवी, सोलहवाँ नाम गौ हैं। इस प्रकार ये सरस्वती देवी के सोलह नाम हैं।

लक्ष्मी हिन्दू धर्म की एक प्रमुख देवी हैं। वह भगवान विष्णु की पत्नी हैं। पार्वती और सरस्वती के साथ, वह त्रिदेवियाँ में से एक है और धन, सम्पदा, शान्ति और समृद्धि की देवी मानी जाती हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, देवताओं ने दानवों के साथ मिलकर क्षीर सागर में समुद्र मंथन किया, जिससे 14 रत्न सहित अमृत और विष की प्राप्ति हुई। इस समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी की भी उत्पत्ति हुई, जिसे भगवान विष्णु ने अर्धांग्नी रूप में धारण किया।[10]

हिंदू धर्म में, शरद ऋतु के मौसम में मनाई जाने वाली त्यौहार दिवाली, देवी लक्ष्मी को समर्पित है।[11] सूत्रों के अनुसार दीपावली शरद ऋतु (उत्तरी गोलार्द्ध) में हर वर्ष मनाया जाने वाला एक प्राचीन सनातन त्यौहार है।[12] प्राचीन हिंदू ग्रन्थ रामायण में बताया गया है कि, कई लोग दीपावली को 14 साल के वनवास पश्चात भगवान राम व पत्नी सीता और उनके भाई लक्ष्मण की वापसी के सम्मान के रूप में मानते हैं। अन्य प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। कई हिंदु दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। दीपावली का पांच दिवसीय महोत्सव देवताओं और राक्षसों द्वारा दूध के लौकिक सागर के मंथन से पैदा हुई लक्ष्मी के जन्म दिवस से शुरू होता है। दीपावली की रात वह दिन है जब लक्ष्मी ने अपने पति के रूप में विष्णु को चुना और फिर उनसे शादी की।[13] एक अन्य सूत्र के अनुसार उन्हें भृगु और ख्याति की पुत्री बताया गया है।[14]

लक्ष्मी भगवान विष्णु की पत्नी हैं, जिनका विवाह उनके सभी अवतारों से हुआ है। उदाहरण के लिए: राम (सीता के रूप में) और कृष्ण (राधा और बाद में रुक्मिणी के रूप में)। लक्ष्मी को कभी-कभी "श्री" (श्री, "समृद्धि", "खुशी", "महिमा") के रूप में जाना जाता है[15], हालांकि प्रारंभिक वैष्णववाद में श्री, जाहिरा तौर पर, एक अलग देवी थीं, जिनकी छवि बाद में लक्ष्मी के साथ विलीन हो गई।[16]

माता महालक्ष्मी के अनेक रूप है जिस में से उनके आठ स्वरूप जिन को अष्टलक्ष्मी कहते है प्रसिद्ध है । लक्ष्मी का अभिषेक दो हाथी करते हैं। वह कमल के आसन पर विराजमान है। कमल कोमलता का प्रतीक है। लक्ष्मी के एक मुख, चार हाथ हैं। वे एक लक्ष्य और चार प्रकृतियों (दूरदर्शिता, दृढ़ संकल्प, श्रमशीलता एवं व्यवस्था शक्ति) के प्रतीक हैं।[17]

---

[8] Мифы народов мира. Энциклопедия. (В 2 томах). Гл. ред. С.А.Токарев. М.: 1982. – т. 1. А-К. – С. 409.

[9] https://hi.wikipedia.org

[10] https://www.jagran.com/spiritual/puja-path-know-story-of-devi-maa-lakshmi-derivation-and-the-benefits-of-doing-worship-20435608.html

[11] Большой энциклопедический словарь. – 2-е изд., перераб. и доп. – М.: “Большая Российская энциклопедия”; СПб.: “Норинт”, 2000. - С. 411.

[12]https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%A6%E0%A5%80%E0%A4%AA%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%B2%E0%A5%80#cite_note-OED-Diwali-2

[13]https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%A6%E0%A5%80%E0%A4%AA%E0%A4%BE%E0%A4%B5%E0%A4%B2%E0%A5%80#cite_note-tp-12

[14] Мифы народов мира. Энциклопедия. (В 2 томах). Гл. ред. С.А.Токарев. М.: 1982. – т. 1. К-Я. – С. 35.

[15] Мифы народов мира / Гл. ред. С. А. Токарев. — Энциклопедия. Электронное издание. — М.: Большая Российская энциклопедия, 2008. С. 574.

[16] Jones C. Encyclopedia of Hinduism / Jones C. and Ryan J. — New York: Facts On File, 2007., - P. 256.

[17]https://hi.wikipedia.org/wiki/%E0%A4%B2%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%AE%E0%A5%80

(E)ISSN: 2181-1784
4(22), Sep., 2024
www.oriens.uz

दुर्गा शब्द का अर्थ "हासिल करना कठिन ", "अजेय" है और हिंदू पौराणिक कथाओं में यह भगवान शिव की पत्नी है। देवी दुर्गा की पूजा शबर, बर्बर और पुलिंदा की गैर-आर्यन जनजातियों की भी विशेषता थी। किंवदंतियों में, दुर्गा को देवताओं की रक्षक और एक योद्धा देवी के रूप में चित्रित किया गया है, जो राक्षसों के खिलाफ निर्दयता से लड़ती है और दुनिया की व्यवस्था की रक्षा करती है।[18]

एक अन्य सूत्र के अनुसार दुर्गा पार्वती का दूसरा नाम है। हिन्दुओं के शाक्त सम्प्रदाय में भगवती दुर्गा को ही दुनिया की पराशक्ति और सर्वोच्च देवता माना जाता है (शाक्त सम्प्रदाय ईश्वर को देवी के रूप में मानता है) वेदों में तो दुर्गा का कोई ज़िक्र नहीं है, मगर उपनिषद में देवी "उमा हैमवती" उमा, हिमालय की पुत्री का वर्णन है। पुराण में दुर्गा को आदिशक्ति माना गया है। दुर्गा असल में शिव की पत्नी पार्वती का एक रूप हैं, जिसकी उत्पत्ति देवताओं की प्रार्थना पर राक्षसों का नाश करने के लिये हुई थी। इस तरह दुर्गा युद्ध की देवी हैं।[19] किंस्ले की पुस्तक "Hindu Goddesses : Visions of the Divine Feminine in the Hindu Religious Tradition" में दुर्गा के बारे में कहती है: - "दुर्गा हिंदू देवताओं की सबसे प्रभावशाली और डरावनी देवी में से एक है और सबसे लोकप्रिय में से एक देवी दुर्गा है। इसका मुख्य पौराणिक कार्य उन राक्षसों के खिलाफ लड़ाई है जो ब्रह्मांड की स्थिरता को खतरे में डालते हैं। इस भूमिका में, उन्हें कई भुजाओं वाली एक महान युद्ध रानी के रूप में दर्शाया गया है, जिनमें से प्रत्येक के पास एक हथियार है। वह एक भयंकर शेर की सवारी करती है और उसे युद्ध में अप्रतिरोध्य बताया गया है। जिस राक्षस को उसने सबसे अधिक हराया है वह भैंसा राक्षस महिसा है। उनके सबसे महत्वपूर्ण त्योहार, दुर्गा पूजा में, उन्हें उनके बच्चों के रूप में पहचाने जाने वाले चार देवताओं से घिरा हुआ चित्रित किया गया है: कार्तिकेय, गणेश, सरस्वती और लक्ष्मी।"[20]

इस लेख में व्युत्पत्ति की दृष्टि से देवियों से संबंधित सामूहिक शब्दों का विश्लेषण किया गया है।

व्युत्पत्ति शब्द - ग्रीक भाषा से लिया गया है और भाषा विज्ञान की एक शाखा है जो शब्दों की उत्पत्ति और स्रोत का अध्ययन करती है।[21] ज्ञातव्य है कि व्युत्पत्ति के क्षेत्र में काफी शोध कार्य हुए हैं। शब्दों की व्युत्पत्ति के निर्धारण में शब्दों की प्रथम उत्पत्ति के इतिहास, उनके वास्तविक अर्थ और उनके रूपों, भाषा के इतिहास और अन्य भाषाओं और बोलियों में शब्दों की तुलना का अध्ययन किया जाता है। शब्दों की उत्पत्ति का अध्ययन भूगोल, पुरातत्व, नृविज्ञान और संस्कृति के विज्ञान के माध्यम से किया जाता है।[22]

भारतीय भाषाविद शब्दों को उनकी उत्पत्ति के आधार पर चार समूहों में विभाजित करते हैं।[23]

1. तत्सम - तत् (उसके) + सम (समान) अर्थात उसके समान। जो शब्द संस्कृत भाषा (मूल भाषा) से ज्यों के त्यों हिंदी में आ गए हैं, वे तत्सम शब्द कहलाते हैं।
2. तद्भव - जो शब्द रूप बदलने के बाद संस्कृत से हिन्दी में आए हैं वे तद्भव कहलाते हैं।
3. देशज - जो शब्द क्षेत्रीय प्रभाव के कारण परिस्थिति व आवश्यकतानुसार बनकर प्रचलित हो गए हैं वे देशज कहलाते हैं।
4. विदेशज - विदेशी जातियों के संपर्क से उनकी भाषा के बहुत से शब्द हिन्दी में प्रयुक्त होने लगे हैं। ऐसे शब्द विदेशी अथवा विदेशज कहलाते हैं।

विषय से संबंधित एकत्रित शब्दों के व्युत्पत्ति संबंधी विश्लेषण की प्रक्रिया में हमने पाया कि उनमें से 99% संस्कृत शब्द हैं।

निष्कर्षतः यह कहना चाहिए कि देवियों से संबंधित शब्दों के विश्लेषण के दौरान यह पाया गया कि उनमें से अधिकांश संस्कृत शब्द हैं। इससे हमें एक बार फिर विश्वास हो गया कि भारतीय संस्कृति, कला, पौराणिक कथाएँ और भारतीय भाषा कितनी समृद्ध और प्राचीन हैं। साथ ही, इस विश्लेषण के फलस्वरूप यह ज्ञात हुआ कि हिन्दू देवी-देवताओं का मुख्य शाब्दिक स्रोत अर्थात् शब्द भंडार बहुत प्राचीन काल का है।

---

[18] Мифы народов мира. Энциклопедия. (В 2 томах). Гл. ред. С.А.Токарев. М.: 1982. – т. 1. А-К. – С. 409.

[19] https://bharatdiscovery.org/india/%E0%A4%A6%E0%A5%81%E0%A4%B0%E0%A5%8D%E0%A4%97%E0%A4%BE

[20] Kinsley D. Hindu Goddesses: Visions of the Divine Feminine in the Hindu Religious Tradition. Berkeley, University of California Press, 1988. - P. 95.

[21] Ўзбек тилининг изоҳли луғати. 2-том. М., 1981. – Б. 456.

[22] Ўзбек тилининг изоҳли луғати. 2-том. М., 1981. – Б. 457.

[23] Шоматов О.Н. Жанубий Осиё тилларига кириш. 1- қисм. -Т.: ТошДШИ нашриёти, 2003. – Б. 39.

(E)ISSN: 2181-1784
4(22), Sep., 2024
www.oriens.uz

अतः एकत्रित शब्दों का मुख्य भाग संस्कृत शब्द हैं जो प्राचीन काल से विद्यमान हैं और बिना किसी परिवर्तन के संरक्षित किये गये हैं।

संदर्भ सूची

1. Болъшой энциклопедический словаръ. - 2-е изд., перераб. и доп. – М.: "Болъшая Российская энциклопедия, СПб.: "Норинт", 2000.
2. Болъшой энциклопедия. (В 30 томах). Гл.ред. А.М.Прохоров. Изд. 3-е. М., "Российская Энциклопедия", 1973.
3. Бонгард-Левин Г.М., Ильин Т.Ф. «Древняя Индия» Исторический очерк. М., 1969.
4. Мифологический словарь / Гл.ред. Е.М.Мелетинский. "Советская энциклопедия". М., 1991., С. 672. http://mifolog.ru/mythology.
5. Мифы народов мира. Энциклопедия. (В 2 томах). Гл. ред. С.А.Токарев. М.: 1982.
6. Индийская философия: Энциклопедия / Отв. ред. М.Т. Степанянц; Ин-т философии РАН. — М.: Вост. лит.; Академический Проект; Гаудеамус, 2009. – С. 259.
7. Шоматов О.Н. Жанубий Осиё тилларига кириш. 1- қисм. -Т.: ТошДШИ нашриёти, 2003.
8. Шоматов О.Н. "Қадимги ҳинд маданиятига оид сўзлар луғати". Т., 2005.
9. Ўзбек тилининг изоҳли луғати. 2-том. М., 1981.
10. Kinsley D. Hindu Goddesses: Visions of the Divine Feminine in the Hindu Religious Tradition., Berkeley., University of California Press, 1988.
11. Jones C. Encyclopedia of Hinduism / Jones C. and Ryan J. — New York: Facts On File, 2007., - P. 256.
12. रामचन्द्र वर्म्मा। मानक हिन्दी कोश । पाँचवाँ खंड। हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग। १९६६
13. सम्पादक कालिका प्रसाद - बृहत हिन्दी कोश । वाराणसी। जनवरी १९५९
14. Хинди-русский словарь. В двух томах. Около 75 000 слов / Под ред. В. М. Бескровного. — М.,1972.
15. Санскритско-русский словарь. Сост. В.А.Кочергина. М., 1982.
16. Русско-узбекский словарь – изд. "Насаф", Қ., 2005.